मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 155, मुंबई, गुरुवार, 27 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

पाकिस्तान के लिए बोझ बन गया

दाऊद

मोस्ट वॉन्टेड दाऊद इब्राहिम से छुटकारा पाना चाहती है इमरान सरकार

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत के मोस्ट वॉन्टेड दाऊद इब्राहिम को करीब दो दशक से पाल रहा पाकिस्तान अब उससे छुटकारा पाना चाहता है। लेकिन, इसमें भी वो अपने ही जाल में फंस गया है। सरकार उसे भारत को सौंपने तैयार हो सकती है लेकिन, सेना इसके लिए तैयार नहीं है। सेना उसे पाकिस्तान से बाहर कहीं मार देना चाहती है। सबसे बड़ी बात यह है कि फौज और सरकार, दोनों को जल्द ही कोई फैसला लेना होगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

आर्मी भी उसे खत्म कर देना चाहती है, लेकिन पाक से बाहर

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क की बदौलत पाकिस्तानी फौज और आईएसआई ने ड्रग तस्करी की। लाखों डॉलर कमाए। अब यह बंद हो चुका है। फौज और सरकार दाऊद से छुटकारा तो पाना चाहती है लेकिन, रास्ता नहीं सूझ रहा है।

दाऊद की नई प्रेमिका पर बड़ा खुलासा

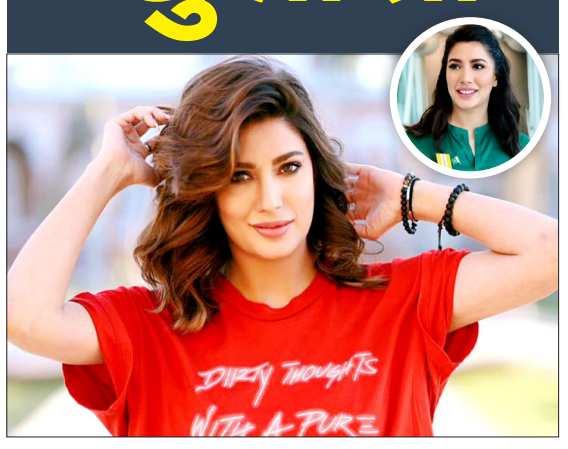

गैंगस्टर की नई प्रेमिका बताई जा रही पाकिस्तानी एक्ट्रेस मेहविश हयात, 64 साल के दाऊद ने अपने दबदबे के दम कर हयात को कई फिल्मों में काम दिलाया

नई दिल्ली। भारत का मोस्ट वांटेड भगोड़े दाऊद इब्राहिम का नाम इन दिनों पाकिस्तान की प्रमुख फिल्म अभिनेत्री 'ग्लैमरस गर्ल' मेहविश हयात के साथ जुड़ रहा है। उसने अपने दबदबे के चलते हयात को कई फिल्मों में काम भी दिलाया है। मेहविश को गैंगस्टर गुड़िया के नाम से भी जाना जा रहा है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

जोन-11 के डीसीपी व मालवणी पुलिस स्टेशन से अपील

सोने के धोखाधड़ी मामले में निष्पक्ष जांच की जाये

(समाचार पृष्ठ 6-7)

सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार सोने के धोखाधड़ी मामले जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनके साथ दो पुलिस वाले भी शामिल थे, जिनको मालवणी पुलिस बचा रही है और अभी तक इन दो पुलिस वालों का नाम इस केस में शामिल नहीं किया गया है

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

लड़ाई अभी बाकी है

इंडियन मेडिकल कौंसिल ऑफ रिसर्च यानी आईसीएमआर ने कोविड-19 से जुडे. जो आंकड़े कल जारी किए हैं, वे काफी सकारात्मक संकेत देते हैं। यह ठीक है कि देश में कोराना संक्रमितों की संख्या लगभग 32 लाख हो चुकी है और इससे मरने वालों की तादाद अब 60 हजार के करीब पहुंच रही है, मगर ताजा आंकडे.बता रहे हैं कि ठीक होने वालों की दर बढ़कर 75 फीसदी से ऊपर हो गई है और मृत्यु-दर दो प्रतिशत से नीचे आ चुकी है। बल्कि एक्टिव मामलों से तीन गुना ज्यादा लोग अब इस वायरस को मात देकर बाहर निकल चुके हैं। निस्संदेह, इसके पीछे एक बड़ी वजह जांच की बढ़ी संख्या है। शुरूआत से ही तमाम विशेषज्ञों की यह राय थी कि ज्यादा से ज्यादा जांच ही इस महामारी में प्रभावी फर्क डाल सकती है। आईसीएमआर के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब तक तीन करोड़, साठ लाख से अधिक जांच हो चुकी है और अब रोजाना लगभग दस लाख लोगों की जांच की जा रही है। हाल के दिनों में सुधरते आंकड़ों का एक बड़ा असर यह पड़ा है कि लोगों के भीतर हालात के तेजी से सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। दो माह पहले जो एक किस्म की बदहवासी या बेबसी दिख रही थी, वह अब लोगों के जेहन से उतर रही है। राजधानी दिल्ली में तो हजारों लोग होम क्वारंटीन में ही वायरस की गिरफ्त से बाहर आ चुके हैं। दिल्ली के दूसरे सीरो सर्वे के आंकडे. इसकी तस्दीक करते हैं। यहां के 29 फीसदी से अधिक लोगों में एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। यही कारण है कि कोरोना के शुरूआती शिकार बने महानगरों में लोग अब कुछ एहतियात के साथ बाहर निकलने लगे हैं। कुछ राज्य सरकारों ने भी अपने यहां लगी पाबंदियां उठा ली हैं। कर्नाटक ने जहां दूसरे राज्यों से आवाजाही को लेकर जारी तमाम शर्तों को हटा लिया है, तो वहीं दिल्ली सरकार ने केंद्र से अपील की है कि कुछ एहतियात के साथ 1 सितंबर से मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की इजाजत दी जाए। इसमें कोई दोराय नहीं कि दिल्ली की लाइफ लाइन मेट्रो की शुरूआत यहां के लोगों के मनोविज्ञान पर काफी सकारात्मक असर डालेगी। लेकिन इन पुरउम्मीद एहसासों के बीच हम इस तथ्य को नजरंदाज नहीं कर सकते कि अब भी रोजाना 60 हजार से अधिक लोग देश में इस वायरस की गिरफ्त में आ रहे हैं और हमारे सबसे बडे.व सघन आबादी वाले उत्तरी राज्यों में जांच की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। इस वायरस की डब्ल्यूएचओ से अनुमोदित किसी वैक्सीन के आने में अभी वक्त है। ऐसे में, हमें अभी बचाव के उपायों से ही इसे काबू में करना है। एक बड़ी चुनौती यह भी है कि संक्रमण अब छोटे कस्बों और गांवों तक पसर चुका है, जबकि आने वाले महीने बडे. त्योहारों के हैं। तमाम सरकारी इमदादों के बावजूद लोग आर्थिक दबाव में हैं, ऐसे में त्योहारी सीजन में उनकी गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। वैसी स्थिति में संक्रमण की आशंकाएं भी अधिक होंगी। फिर इस महामारी को लेकर एक चिंताजनक खबर यह भी आ रही है कि हांगकांग में एक ठीक हो चुका मरीज दोबारा इसकी गिरफ्त में आ गया है। इसलिए अभी काफी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। शासन-प्रशासन के स्तर पर भी और समाज के स्तर पर भी, वरना अब तक के सारे परिश्रम, कोरोना वॉरियर्स की सारी बेमिसाल कुर्बानियां जाया हो जाएंगी।

ऑनलाइन गेम्स का बढ़ता दायरा

दो साल पहले 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में एक मां ने जब अपने बेटे के ऑनलाइन गेम्स की लत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया किया था, तो उन्होंने पूछा था कि ह्ये पबजी वाला है क्या? साथ में प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी भी की थी कि ये समस्या भी है, समाधान भी है। हम बच्चों को तकनीक से दूर नहीं रख सकते। हम यह चाहें कि हमारे बच्चे टेक्नोलॉजी से दूर चले जाएं, फिर तो वे एक प्रकार से अपनी सारी जिंदगी में पीछे जाना शुरू हो जाएंगे। इसलिए ज्यादा अच्छा होगा कि बच्चे प्ले-स्टेशन से प्ले-फील्ड की ओर जाएं। सोशल स्टेटस के कारण टेंशन में न आएं। प्ले स्टेशन से प्ले-फील्ड पर जाने की यह बात इधर इस रूप में चरितार्थ होती प्रतीत हुई, जब इस बार आइपीएल के टाइटल प्रायोजक के रूप में फैंटेसी गेमिंग कंपनी ड्रीम-11 को चुना गया। ड्रीम-11 ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के साथ इस साल के लिए 250 करोड़ रुपये में यह करार किया है।

बीसीसीआइ के साथ हुई इस डील के कई संदर्भ और मायने हैं। इसमें सबसे मुख्य बात यह है कि चीन के साथ गलवान घाटी में पैदा हुए तनाव के बाद भारत में चीन के खिलाफ बने माहौल के मद्देनजर चीनी मोबाइल हैंडसेट निमार्ता कंपनी वीवो ने आइपीएल-2020 की स्पांसरशिप से हटने का एलान किया था। दरअसल वीवो ने 2018 में बीसीसीआइ के साथ पांच वर्षों के लिए करार किया था। इसके बदले वह हर साल क्रिकेट बोर्ड को 440 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही थी, लेकिन अब यह मौका ड्रीम-11 को मिला है। एक गेमिंग कंपनी के आइपीएल प्रायोजक बनने के बड़े अर्थ हैं। इससे पता चलता है कि दुनिया में स्पोर्ट्स और ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार कितनी तेजी से विस्तार कर रहा है। साथ ही इससे यह संकेत मिलता है कि जीवन के दूसरे क्षेत्रों पर भी इसका प्रभाव पड़ने लगा है। खास तौर से कोविड-19 महामारी के दौर में जब दुनिया के कारोबार ठहरे हुए रहे हैं, तब ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। यदि ड्रीम-11 की बात करें तो इस कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक ड्रीम स्पोर्ट्स एक स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी कंपनी है। महज 12 साल पहले वर्ष 2008 में स्थापित की गई इस कंपनी ने 2012 में इंटरनेट पर ऑनलाइन खेले जाने वाले फ्रीमियम फैंटेसी क्रिकेट की शुरूआत की थी। वर्ष 2014 में एक लाख उपयोगकताओं (यूजर्स) का आंकड़ा छूने वाली इस कंपनी ने वर्ष 2015 और 2017 में भारी पूंजी निवेश हासिल किया था। इस आधार पर 2019 में ड्रीम-11 एक अरब डॉलर से ज्यादा की वैल्यू तक पहुंचने वाली भारत की पहली गेमिंग स्टार्टअप कंपनी बन गई थी। साल 2019 में इसके यूजर्स की संख्या सात करोड़ से अधिक हो गई थी और इसे आइपीएल और आइसीसी का गेम पार्टनर बनने का मौका मिला। दुनिया में ऑनलाइन गेमिंग के बढ़ते कारोबार पर नजर डालें तो पता चलता है कि कैसे पूरा विश्व ऑनलाइन गेमिंग का दीवाना हुआ जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग के कारोबार पर नजर रखने वाली एक कंपनी मार्केट डाटा सुपर ट्रैकर ने इस साल अप्रैल में एक आंकड़ा जारी कर बताया था कि लॉकडाउन घोषित होने के फौरन बाद इस व्यवसाय ने तेज रफ्तार पकड़ ली थी। इसके मुताबिक मार्च महीने में दुनिया भर में लोगों ने डिजिटल वीडियो गेम्स पर 10 अरब डॉलर खर्च किए थे। तब सिर्फ एक महीने में ऑनलाइन गेमिंग के व्यवसाय में 15 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यदि स्मार्टफोन पर ही खेले जाने वाले ऑनलाइन गेम्स की बात करें तो मार्च में इस पर दुनिया में 5.7 अरब डॉलर खर्च किए गए थे। इनमें निंटेंडो के बाद सबसे अधिक 'पोकेमॉन गो' मोबाइल गेम की कमाई में 18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। इसकी ज्यादा बड़ी वजह लॉकडाउन और उसके बाद अनलॉक की प्रक्रिया रही, जिसमें लोग ज्यादा बाहर नहीं निकले और घरों में बंद रहकर अपने मनोरंजन का प्रबंध किया। यह एक बड़ी पहेली है कि जिन गेम्स को हम ऑनलाइन मुफ्त में हासिल करते हैं और खेलते हैं, उनसे कंपनियां आखिर पैसा कैसे बनाती हैं। ये सभी गेम्स यूजर्स द्वारा लगभग मुफ्त में डाउनलोड किए जाते हैं। इस तरह के गेम्स में दो व्यवस्थाएं होती हैं। एक वह है, जिसमें कुछ पड़ावों तक खेलने वाला व्यक्ति मुफ्त में उस गेम का आनंद उठा सकता है। हालांकि मुश्किल पड़ावों को पार करने के बदले एक स्तर तक खिलाड़ी को कुछ वर्चुअल सिक्के या टोकन अथवा पावर मिलती हैं, जिनसे अगले कुछ पड़ावों तक खेल का मजा लिया जा सकता है, लेकिन जिन लोगों को इन गेम्स की लत लग जाती है, वे खेल के और मुश्किल पड़ावों को पार करना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें वर्चुअल करेंसी या वर्चुअल टोकन प्ले स्टोर से खरीदनी पड़ती हैं। हालांकि यह रकम बहुत मामूली होती है, जिससे खिलाड़ी को यह महसूस नहीं होता कि इतने पैसे खर्च करके उसने कंपनी को कोई बड़ा फायदा पहुंचाया होगा। यह भी उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेम्स खेलने वालों में से औसतन पांच फीसद लोग ही इस तरह के खेलों के लिए रकम खर्च करते हैं।

पर्यावरण रक्षा संग आर्थिक विकास

केंद्र सरकार ने पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना यानी ईआइए नोटिफिकेशन में कई संशोधन प्रस्तावित किए हैं, ताकि देश के आर्थिक विकास में पर्यावरण का अड़ंगा कम हो जाए। निःसंदेह उद्योगों को लगाने, हाईवे आदि के निर्माण में अनावश्यक अवरोधों को दूर करना चाहिए, लेकिन यदि हमारा पर्यावरण संरक्षित नहीं होता तो जीडीपी घटती भी है। बीते कुछ अर्से में तमाम देसी उद्यमी और निवेशक अपनी पूंजी लेकर विदेश पलायन कर गए। उनकी शिकायत थी कि देश का पर्यावरण बिगड़ता जा रहा है। यदि देश में वायु और ध्वनि प्रदूषण के साथ साफ पानी का अभाव हो तो पर्यटक भी कम आते हैं। तमाम अद्वितीय पर्यटन स्थलों के बावजूद हम पर्याप्त संख्या में पर्यटकों को आर्किषत नहीं कर पा रहे हैं। यह भी विचारणीय है कि क्या सभी परियोजनाओं से आर्थिक विकास होता है? मैंने उत्तराखंड में देवप्रयाग पर कोटलीभाल जल विद्युत परियोजना का आकलन किया तो पाया कि इस परियोजना को लागू करने से देश की जीडीपी घटेगी। परियोजना से लाभ 155

करोड़ रुपये प्रति वर्ष, जबकि पर्यावरण की हानि का आर्थिक मूल्य 931 करोड़ रुपये था। पर्यावरण की हानि में नदी द्वारा लाई जा रही गाद के रुकने के कारण गंगासागर का कटाव तो है ही, पानी की गुणवत्ता में गिरावट के कारण जन स्वास्थ्य पर प्रभाव, परियोजना की झील से उत्सर्जित होने वाली मीथेन गैस से ग्लोबल वार्मिंग पर प्रभाव, जंगल कटने से जैव विविधिता पर असर और नदी के प्राकृतिक सौंदर्य के नष्ट होने के कारण जनता को मिलने वाले आनंद जैसे नुकसान भी शामिल हैं। हमें जानना चाहिए कि प्रत्येक परियोजना से जीडीपी नहीं बढ़ती। वर्तमान में जीडीपी शिथिल होने के पीछे नुकसानदेह योजनाओं को लागू करना भी है। ऐसी परियोजनाओं को रोकने के लिए पर्यावरण कानून को और सख्त बनाने की जरूरत है। पर्यावरण कानून में व्यवस्था की जानी चाहिए कि परियोजना के कुल लाभ और हानि का निष्पक्ष आकलन हो और केवल उन परियोजनाओं को ही स्वीकृति दी जाए जो वास्तव में आर्थिक विकास में योगदान देती हों। पर्यावरण कानून को त्वरित गति से लागू करने की भी जरूरत है, जिससे लाभप्रद परियोजनाओं में पर्यावरण के नाम से अनावश्यक अड़ंगा न लगे। फिलहाल पर्यावरण प्रभाव का आकलन करने के लिए किसी संस्था को ठेका दिया जाता है। इससे 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' वाली स्थिति बनती है। पर्यावरण प्रभाव आकलन संस्थाएं कार्यदायी संस्था के हित में ही आकलन करती हैं और तमाम दुष्प्रभावों को छुपा जाती हैं। देश को पता ही नहीं चलता कि कोटलीभाल जैसी परियोजनाओं से जीडीपी बढ़ेगी या घटेगी? सरकार को ईआइए के लिए एक अलग आयोग गठित करना चाहिए, जो अपने आकलन को बिना कार्यदायी संस्था के हस्तक्षेप के कराए।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
27 अगस्त, 2020

महाराष्ट्र में किसी भी राज्य के राशन कार्ड पर मिलेगा अनाज, प्रवासी मजदूरों को मिलेगा फायदा

राशन कार्ड और आधार कार्ड जरूरी

मुंबई। राशन कार्ड धारक गरीब मजदूर चाहे देश के किसी भी कोने से महाराष्ट्र में आया हो, उसे यहां भी उसके राज्य के राशन कार्ड पर ही सस्ता वाला अनाज मिलेगा। सरकार के 'वन नैशन-वन राशन कार्ड' के चलते ही यह संभव हो पाया है। माना जा रहा है कि इसका सबसे बड़ा फायदा प्रवासी मजदूर वर्ग को होगा, जो मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों में अक्सर जाया करते हैं। दरअसल, भारत सरकार ने 'वन नैशन-वन राशन कार्ड' सिस्टम लागू किया है। यह योजना मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी की तरह है। जैसे, मोबाइल पोर्ट कराते हैं तो आपका नंबर नहीं बदलता है और आप देशभर में

एक ही नंबर से बात करते हैं। ठीक उसी तरह से राशन कार्ड पोर्टेबिलिटी में आपका राशन कार्ड नहीं बदलेगा। मतलब, एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने पर आप अपने राशन कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। उसी कार्ड से दूसरे राज्य से भी सरकारी राशन खरीद सकते हैं। अबतक देश के 23 राज्यों में मौजूद 67 करोड़ राशनकार्ड धारक नैशनल पोर्टेबिलिटी के तहत आ गए हैं। भारत सरकार ने मार्च 2021 तक शत-प्रतिशत नैशनल पोर्टेबिलिटी हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। राशन कार्ड पोर्टेबिलिटी में आने वालों को दो तरह के दस्तावेज, राशन कार्ड और आधार कार्ड देने होंगे। आपका वेरिफिकेशन आधार नंबर से ही किया जाएगा। पीडीएस के हर राशन कार्ड की दुकान पर एक इलेक्ट्रॉनिक्स पॉइंट ऑफ सेल डिवाइस होगी और उसी से लाभार्थी का वेरिफिकेशन उसके आधार नंबर के आधार पर किया जाएगा, इसलिए राशन कार्ड और आधार कार्ड को साथ में रखना जरूरी होगा।

कैसे फायदा होगा: एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने पर गरीब व्यक्ति अपने राज्य के ही राशन कार्ड से दूसरे राज्य की सरकारी राशन की दुकानों से सस्ता सरकारी अनाज हासिल कर सकता है। सरकार का मानना है कि इस सिस्टम से राशन विभाग में फैला भ्रष्टाचार खत्म किया जा सकेगा। इसका फायदा उसी को होगा, जिसे इसकी आवश्यकता है।

पुराना राशन कार्ड चलता रहेगा: वैसे सरकार का मानना है कि 'वन नैशन-वन राशन कार्ड' योजना लागू होने के बाद भी पुराना राशन कार्ड चलता रहेगा। उसी को केवल नए नियम के आधार पर अपडेट कर दिया जाएगा, जिससे वो पूरे देश में मान्य हो जाएगा।

सस्ती दरों पर मिलेगा अनाज: प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता परिवार लाभार्थी राशन कार्ड धारकों को नियमित अनाज के अलावा प्रति व्यक्ति 3 किलो गेहूं और 2 किलो चावल कुल 5 किलो अनाज हर माह मुफ्त में दिया जा रहा है। इसके अलावा तुअर दाल अथवा चना दाल में से कोई एक दाल प्रति राशन कार्ड एक किलो उपलब्ध कराई जा रही है।

बंबई उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म की झूठी शिकायत दर्ज कराने पर महिला पर लगाया 25,000 रुपए का जुर्माना

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने एक महिला पर अपने पुरुष मित्र के खिलाफ दुष्कर्म की झूठी शिकायत दर्ज कराने पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए मामले का निपटारा कर दिया। महिला ने अदालत में याचिका दाखिल करके कहा था कि वह इस मामले को आगे नहीं ले जाना चाहती। न्यायमूर्ति आर डी धानुका एवं न्यायमूर्ति वी जी बिष्ट की खंडपीठ ने मंगलवार को महिला को महाराष्ट्र पुलिस कल्याण कोष में चार सप्ताह के भीतर 25 हजार रुपए जमा कराने के निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि अगर जुर्माना नहीं भरा गया तो पुरुष के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी

को खारिज करने का उसका आदेश वापस हो जाएगा। महिला ने 16 मार्च को अपने पुरुष मित्र के खिलाफ पालघर जिले के नालासोपारा पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उसने नशीला पदार्थ खिला कर उससे दुष्कर्म किया है। इसके बाद पिछले माह शिकायतकर्ता ने मामले को खारिज करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया और कहा कि उसने परिवार के दबाव में आ कर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। महिला ने अपनी याचिका में कहा कि उसके पुरुष के साथ संबंध हैं लेकिन जब उसके परिवार को इसका पता चला तो उसने कहानी गढ़ दी कि पुरुष ने उससे दुष्कर्म किया है। याचिका का विरोध करते हुए अतिरिक्त सरकारी वकील अरुणा कामत पाई ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और इस पर आरोपपत्र दाखिल करेगीं उन्होंने कहा कि अगर अदालत प्राथमिकी रद्द करना चाहती है तो महिला पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

मुंबई में इस वर्ष के अंत तक 535 बसों को सेवा से बाहर कर दिया जाएगा

मुंबई। मुंबई में बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम इस साल के अंत तक 535 बसों को सेवा से बाहर कर देगा। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बेस्ट के अनुसार, बम्बई उच्च न्यायालय के निर्देश को ध्यान में रखते हुए, 15 साल से अधिक समय से चल रही बसों को सेवा से बाहर करना होगा। उपक्रम के सूत्रों के अनुसार, बेस्ट ने पहले ही 899 बसों में से 354 को सेवा से बाहर कर दिया है और शेष 535 बसों को साल के अंत तक उपयोग से बाहर कर दिया जाएगा। इन बसों की सूची में 19 डबल डेकर बसें भी शामिल हैं। हालांकि बेस्ट ने दावा किया कि उन्होंने ही पुरानी बसों को बदलने का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में, बेस्ट के पास लगभग 3,340 बसें हैं जिनमें अनुबंध के आधार पर चलने वाली निजी ठेकेदारों की 460 बसें भी शामिल हैं। ये ठेकेदार बसों के ड्राइवरों और रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पाकिस्तान के लिए बोझ बन गया दाऊद

क्योंकि अक्टूबर में पाकिस्तान को फाइनेंशियल टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के सामने आतंकियों पर की गई कार्रवाई का ब्योरा सौंपना है। और अनजाने में ही सही पाकिस्तान ने पिछले दिनों यह मान लिया था दाऊद पाकिस्तान में है। फिलहाल, लंदन में रह रहे पाकिस्तानी लेखक और पत्रकार डॉक्टर अमजद अयूब मिर्जा ने दाऊद को लेकर पाकिस्तानी फौज और सरकार की कश्मकश का खुलासा किया है। पाकिस्तान को अगर दिवालिया होने से बचना है तो एफएटीएफ की हर शर्त पूरी करनी होगी। क्योंकि, इसके बिना वर्ल्ड बैंक, आईएमएफ या एशियन डेपलपमेंट बैंक उसे कर्ज नहीं देंगे। वो जुलाई 2018 से ग्रे लिस्ट में है। आतंकियों पर सबूतों के साथ सख्त और निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई तो अक्टूबर में ब्लैक लिस्ट होने का खतरा सिर पर है। अब दाऊद पर भी फैसला करना ही होगा। क्योंकि, इमरान सरकार मान चुकी है कि दाऊद कराची में है। भारत दुनिया को इसके अनगिनत सबूत कई सालों से दे रहा था। 1980 की शुरूआत में ही पाकिस्तानी फौज ने ड्रग तस्करी को कमाई का जरिया बनाया। अफगानिस्तान से अफीम और हेरोइन लाए जाते। फौज दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क के जरिए इनकी इंटरनेशनल सप्लाई करती। यानी ड्रग सप्लाई दाऊद के गुर्गे करते। करोड़ों डॉलर कमाई होती और फिर बंटवारा। फौज के रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल फजल हक को खैबर पख्तूनख्वा का गवर्नर बनाया ही इसलिए गया ताकि तस्करी में दिक्कत न हो। एफएटीएफ की शर्तें पूरी किए बगैर पाकिस्तान को कर्ज नहीं मिलने वाला। ड्रग्स का धंधा अब लगभग खत्म हो चुका। लिहाजा, सरकार और फौज के पास कोई रास्ता नहीं। वो फंस गए हैं। अगर दाऊद पर कार्रवाई होगी तो इसके सबूत देने होंगे। अब तक दाऊद की देश में मौजूदगी से इनकार करता रहा पाकिस्तान किस मुंह से दुनिया का सामना करेगा? फौज उसे जिंदा नहीं रखना चाहती। वो उसे मार तो सकती है लेकिन, यह राज छिपा नहीं पाएगी। फौज ने दाऊद को बाहर ले जाकर खत्म करने के लिए उसका कॉमनवैल्थ कंट्री डोमेनिका से पासपोर्ट बनवाया। उसे किसी कैरेबियाई देश भेजने का प्लान बनाया। लेकिन, भारतीय खुफिया एजेंसियों की पैनी नजर के चलते यह इरादा कामयाब नहीं हो पाया। दाऊद पाकिस्तान से बाहर नहीं निकल पा रहा। अगर दाऊद मारा गया तो फिर इमरान की कुर्सी भी नहीं बचेगी। फौज की कश्मकश तो अपनी जगह है ही।

दाऊद की नई प्रेमिका पर बड़ा खुलासा

सूत्रों के मुताबिक हयात के केवल दाऊद ही नहीं, कई क्रिकेटर और यहां तक की पाकिस्तान के पीएम इमरान खान से भी करीबी संबंध हैं। पिछले साल मेहविश हयात को पाकिस्तान के नागरिक पुरस्कारों में से एक तमगा-ए-इम्तियाज से नवाजा गया था। इसके बाद तो सोशल मीडिया कई तरह की कहानियों से पट गया था। लोगों का कहना था कि उसे पुरस्कार इसलिए मिला, क्योंकि उसके पाकिस्तान में बहुत ताकतवर लोगों से संबंध हैं। एक प्रमुख वेबसाइट ने तभी दाऊद इब्राहिम से उनकी करीबी के बारे में संकेत दिया था। अपने लुक के लिए जानी जाने वाली हयात पाकिस्तान की एक टॉप सिंगिंग स्टार भी है और अक्सर कुछ जानी-मानी हस्तियों को होस्ट करती है। इनमें क्रिकेटर्स, राजनेता और उद्योगपति शामिल हैं। खबर के मुताबिक हयात को पाकिस्तानी फिल्मों में आइटम नंबर करने के बाद शोहरत मिली थी। इसके बाद वह दाऊद इब्राहिम के संपर्क में आई, जिसके दबदबे के चलते उसे कुछ हाई बजट की फिल्में मिलीं। दाऊद पाकिस्तान की फिल्म इंडस्ट्री को फंड करता है। उसके कराची और लाहौर में कई बड़े प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से संबंध हैं। 37 साल की हयात के ट्विटर पर 14 लाख फॉलोवर्स हैं। हाल में हयात को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। कई भारतीयों ने उन्हें ट्विटर पर ट्रोल करते हुए लिखा कि जिसने 1993 के मुंबई में बम धमाकों में सैकड़ों निर्दोष लोगों की हत्या की उसके साथ वह करीबी रिश्ते में है। पाकिस्तान के लोगों ने भी हयात को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने पर सवाल उठाए हैं। ट्विटर पर ट्रोल किए जाने के बाद हयात ने कहा कि उसके खिलाफ साजिश की जा रही है। उसने दाऊद के साथ अपने संबंधों को नकारते हुए कहा कि जो उनसे जलते हैं उन्होंने ही यह अफवाह फैलाई है।

नन्ही बच्चियों को भी अपनी हवस का शिकार बनाते है, ये दरिंदे: उज्वला विश्वकर्मा

मुंबई। हमारे देश मे छोटी बच्चियों के साथ रेप के बढते मामलो को देख मुंबई कि दबंग सामाजिक कार्यकर्ता उज्वला विश्वकर्मा का गुस्सा फूट पडा उज्वला विश्वकर्मा ने कहा कि ऐसी शर्मनाक घटनाओं को देखकर ऐसा लगता है, कि हमारे देश मे बलात्कारीयों को खुली छूट दे रखी है। इन दरिंदो को ना तो समाज का खौफ है, ना ही देश के कानून का डर है। उज्वला विश्वकर्मा ने कहा कि समाज कि यह धारणा है, कि औरतों को पर्दे में रहना चाहिए अपने बदन को ढककर रखना चाहिए तो क्या बलात्कार के लिए औरते ही जिम्मेदार है। उज्वला विश्वकर्मा ने बताया कि विज्ञान के मुताबिक तेरह से चौदह साल कि उम्र में बच्चों को हार्मोनिकल बदलता है, बच्चे अपना समय पढाई-लिखाई और खेलकूद में लगा देते है, और ज्यादा उम्र के लोंग खाली समय मे पोर्न फिल्मे देखकर अपना दिमाग खराब करते है। जिस कारण ये बच्चियों पर अपनी हवस मिटाते है, आज के समय हर देशवासी यह मांग कर रहा है, कि इंसाफ करो हर नारी का, सर कलम हो बलात्कारी का जब-जब ऐसी घटना होती है, उस घटना कि सरकार और पुलिस जिम्मेदार नही होती है, जिम्मेदार हम भी होते है, हमारे समाज के घटिया सोच जिम्मेदार होती है, क्या हमारी कोई नैतिक जिम्मेदारी नही है, हमे अब बेटियों कि रक्षा के लिए आगे आना होगा।

गैर-एनडीए राज्यों के सीएम की बैठक

7 मुख्यमंत्रियों ने सोनिया गांधी से कहा- नीट और जेईई टालने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए

उद्धव बोले- केंद्र से डरना है या लड़ना है, तय करें

संवाददाता

नई दिल्ली। कोरोना के दौर में नीट-जेईई परीक्षाओं को टालने के मुद्दे पर सोनिया गांधी ने 7 गैर-एनडीए राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इन मुख्यमंत्रियों ने सोनिया से कहा की जेईई-नीट टालने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मेरी सभी राज्य सरकारों से अपील है कि हमें साथ मिलकर काम करना होगा। एक साथ सुप्रीम कोर्ट चलें और परीक्षाएं उस वक्त के लिए टालने की कोशिश करें, जब तक कि छात्रों के परीक्षा में बैठने लायक स्थिति नहीं हो जाती। उन्होंने कहा, 'परीक्षाएं सितंबर में हैं। ऐसी स्थिति में छात्रों की जिंदगी को जोखिम में डाला नहीं जाना चाहिए। हमने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं आया है।' बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश सिंह बघेल, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री नारायणसामी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौजूद थीं। बैठक में राज्यों के बकाया गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) पर भी चर्चा हुई।

जोन-11 के डीसीपी व मालवणी पुलिस स्टेशन से अपील

सोने के धोखाधड़ी मामले में निष्पक्ष जांच की जाये

सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार सोने के धोखाधड़ी मामले जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनके साथ दो पुलिस वाले भी शामिल थे, जिनको मालवणी पुलिस बचा रही है और अभी तक इन दो पुलिस वालों का नाम इस केस में शामिल नहीं किया गया है

मुंबई। मालवणी पुलिस स्टेशन ने कल शाम एक बहुत बड़े रैकेड़ का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने बताया कि ये सब नकली पुलिस बनकर लोगों से चीटिंग करके सोने का धोखाधड़ी करते थे। इसमें जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है इनका नाम आबिद और शाहबाज है। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इसमें दो पुलिस वाले भी शामिल हैं लेकिन इसमें मालवणी पुलिस इन दो पुलिस वालों को बचा रही है और इनका नाम अभी तक इस केस में शामिल नहीं किया है। इस मामले में सिर्फ आबिद और शाहबाज को बली का बकरा बनाया गया है। अगर इस मामले में मालवणी पुलिस सही से जांच करे तो इसमें बहुत बड़े-बड़े राज खुल सकता है और जो लोग सरकार को धोखा देकर इस तरह की गैरकानूनी काम कर रहे हैं इस मामले में बड़े-बड़े लोगों का नाम भी उजागर होता सकता है।

जोन-11 के डीसीपी विशाल ठाकुर जी से अपील है कि मालवणी पुलिस स्टेशन में सोने के धोखाधड़ी मामले में जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनमें सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इनके साथ दो पुलिस वाले भी शमिल थे, आपसे निवेदन है कि इस मामले में निष्पक्ष सही से जांच की जायेगी तो इस मामले में बहुत बड़े-बड़े राज खुल सकते हैं और इसमें बड़े-बड़े लोग भी शामिल हैं जिनका नाम उजागर हो सकता है, अतः आपसे निवेदन है कि जो सरकार को गुमराह करके इस तरह का गलत कार्य कर रहे हैं ऐसे पुलिस वालों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाये

आंख पर पट्टी बांध बनाती हैं गणेश प्रतिमाएं

20 साल में बनाई 4 लाख से ज्यादा प्रतिमाएं, 3 मिनट में एक गणेश प्रतिमा बनाने का है रिकॉर्ड

मुंबई। महाराष्ट्र समेत पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जा रहा है। इस मौके पर हम आपको बप्पा की एक ऐसी भक्त से मिलवाने जा रहे हैं, जो पिछले 20 साल से लगातार आंख पर पट्टी बांधकर बप्पा की प्रतिमा का निर्माण कर रही हैं। अपने इस अनूठे प्रयास से गिनीज बुक में नाम दर्ज करवा चुकी मुंबई की रमा शाह का नाम इस बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। एक तस्वीर सोशल मीडिया में पोस्ट कर उन्होंने यह जानकारी साझा की है। रमा शाह अब तक तीन लाख से ज्यादा गणेश प्रतिमाएं बना चुकी हैं। मूर्तिकला में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकीं रमा ने सिर्फ तीन मिनट में गणेश की सबसे छोटी प्रतिमा बनाने का गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड बनाया था। इस अनूठे कारनामे की वजह से वे अमेरिका के मशहूर शो 'रिप्ले बिलीव इट ऑर नॉट' के पैनल में भी नजर आ चुकी हैं। सिर्फ 99 दिनों में आंख पर पट्टी बांध गणेश की रिकॉर्ड 9,999 प्रतिमाएं बनाने के कारण वह शो में नजर आईं थीं। अपने हाथों से बनाई 18 हजार से ज्यादा प्रकार की गणेश प्रतिमाओं को एक जगह प्रदर्शित कर रमा ने 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में अपना नाम दर्ज करवाया था।

शौक से बनाती हैं गणेश प्रतिमाएं: रमा एक हाउसवाइफ हैं और वे बच्चों को आर्ट ऐंड क्राफ्ट की ट्रेनिंग देती हैं। वे नियमित तौर पर मूर्तियां नहीं बनाती हैं। रमा का मानना है कि, भगवान ने हर व्यक्ति को इस दुनिया में कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है। वे पिछले 20 साल से अब तक हर साइज की करीब 4 लाख 25 हजार से ज्यादा प्रतिमाएं बना चुकी हैं। इनमें से एक हजार से ज्यादा प्रतिमाएं उन्होंने आंखों पर पट्टी बांधकर बनाई हैं।

नरेंद्र मोदी को भी गिफ्ट कर चुकी हैं प्रतिमा: रमा ने 2004 में गुजरात के भावनगर में आंखों पर पट्टी बांधकर एक गणेश प्रतिमा बनाई थी। इसे उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को गिफ्ट भी किया था। रमा की इस सफलता में उनकी फैमिली और हसबैंड का काफी योगदान है। उनके तीन बच्चे इस काम में उनका काफी सहयोग देते हैं।

सुशांत सिंह राजपूत केस: ड्रग कनेक्शन सामने आने के बाद नारकोटिक्स ब्यूरो ने रिया पर केस दर्ज किया, सीबीआई ने सुशांत के फ्लैट के वॉचमैन और उनके कुक से पूछताछ की

मुंबई। रिया चक्रवर्ती के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बुधवार को केस दर्ज कर लिया है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय ने रिया के मोबाइल से डिलीट हुए कुछ चैट्स एक्सेस किए थे और इन्हें एनसीबी को सौंपा था। ये चैट रिया और सुशांत के ड्रग कनेक्शन से जुड़े थे। उधर, सीबीआई भी लगातार मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। सीबीआई ने आज सुशांत के फ्लैटमेट सिद्धार्थ पिठानी, कुक नीरज सिंह और वॉचमैन से पूछताछ की। इसके अलावा दो पुलिसकर्मियों से भी सवाल-जवाब किए गए। महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने कूपर अस्पताल और मुंबई पुलिस को नोटिस भेजा है। इसमें रिया चक्रवर्ती को मॉर्चुरी में जाने की इजाजत देने पर सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने अस्पताल मैनेजमेंट और पुलिस से पूछा है कि किन नियमों के तहत रिया को परमिशन दी गई थी? एनसीबी अगले एक-दो दिन में एनसीबी की टीम रिया से पूछताछ कर सकती है। ईडी ने रिया के फोन से डिलीट किए गए चैट का रिकॉर्ड रिकवर था। ईडी ने रिया का फोन 10 अगस्त को जब्त किया था। इसमें रिया की तरफ से ड्रग्स की बात किए जाने का जिक्र है। उधर, रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने ड्रग्स की थ्योरी को खारिज करते हुए कहा था कि इस मामले में रिया किसी भी जांच से गुजरने को तैयार हैं। उन्होंने कभी ड्रग्स नहीं ली।

चैट में ये 3 बातें

रिया की तरफ से हार्ड ड्रग एमडीएम की बात की गई है। यह

पार्टी ड्रग है, जो मुंबई में आसानी से मिल जाती है।

- सैमुअल मिरांडा ने रिया से कहा था- हैलो रिया, स्टफ लगभग खत्म हो गया है।
- एक चैट में जया साहा ने रिया से कहा था- पानी, चाय या कॉफी में 4 ड्रॉप डालकर उसे देनी हैं। फिर 40 मिनट लगेंगे।
- सुशांत के पिता के वकील बोले- सीबीआई बड़ा खुलासा कर सकती है

सुशांत के पिता के वकील विकास सिंह ने कहा है ड्रग मामले में न्यूज चैनल्स ने मंगलवार को जो बातें बताईं, वे सही हैं तो यह बहुत गंभीर मामला है। अगर वाकई सुशांत को प्रतिबंधित दवाएं दी जा रही थीं, तो यह आत्महत्या के लिए उकसाने के साथ ही मर्डर या फिर इन दोनों के एंगल से जांच का मामला हो सकता है। मुझे उम्मीद है कि सीबीआई कुछ बड़ा खुलासा करेगी।

सीबीआई आज रिया को समन भेज सकती है

सीबीआई ने दो पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की। जांच एजेंसी ने सुशांत का पोस्टमार्टम करने वाले 2 डॉक्टर्स से भी बात की है। माना जा रहा है पोस्टमार्टम टीम से जुड़े 3 और डॉक्टर्स से पूछताछ की जा सकती है। सीबीआई आज रिया और उनके परिवार को भी समन भेज सकती है। सुशांत के कथित दोस्त संदीप सिंह से भी जल्द पूछताछ होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संदीप को समन भेजेगा। सुशांत की मौत के बाद संदीप अचानक पिक्चर में आए थे और घर से लेकर पोस्टमार्टम रूम तक देखे गए थे।

समस्तीपुर हलचल

नामांकन में फीस अनियमितता के खिलाफ संयुक्त छात्र संघर्ष मोर्चा के बैनर तले छात्रों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। मुख्यमंत्री की घोषणा व शिक्षा विभाग बिहार के पत्र का उल्लंघन करते हुए जिले के स्कूल एवं कालेज इंटर नामांकन में फीस लेने, परीक्षा फॉर्म भरने में मनमाना राशि लेकर रसीद नहीं देने आदि मांगों को लेकर बुधवार को संयुक्त छात्र संघर्ष मोर्चा के बैनर तले छात्र शहर के पटेल मैदान गोलंबर से विशाल जुलूस निकालकर समाहरणालय पर प्रदर्शन किया।इस दौरान करीब दो घंटे तक समाहरणालय गेट पर जाम का नजारा बना रहा। मौके से मजिस्ट्रेट के गायब रहने के कारण आंदोलित छात्र समाहरणालय गेट पर ही धरना पर बैठ गए। प्रदर्शन में शामिल छात्र 'मुख्यमंत्री की घोषणा का धज्जियां उड़ाना बंद करो' 'इंटर नामांकन व परीक्षा फॉर्म भरने में धांधली नहीं चलेगी' 'सत्र 2018-19 का पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान करो' 'कन्या उत्थान योजना व बालिका प्रोत्साहन योजना का भुगतान करो' निजी कोचिंग के शिक्षकों का लॉकडाउन भत्ता देना होगा' 'स्नातकोत्तर तक सभी कोर्स का फीस माफ करो व छात्रों का रूम रेंट मुख्यमंत्री राहत कोष से जमा करो' 'बीएड कोर्स में

बढ़ा हुआ शुल्क वापस लो' रेलवे का निजीकरण बंद करो। नई शिक्षा नीति वापस लो, कॉमन स्कूल सिस्टम लागू करो।आदि गगनभेदी नारा लगाते रहे थे। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मार्च के संयोजक सह आइसा जिला सचिव सुनील कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन के नाक के नीचे +2 विद्यालय व कॉलेज में मुख्यमंत्री के घोषणा का धज्जियां उड़ाते हुए गरीब व मजबूर एससी/एसटी छात्र व सभी कोटि की छात्राओं से मनमाने तरीके से बिना रसीद दिए हुए शुल्क लिया जाता है। लेकिन जिला प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। वहीं एसएफआई के जिला अध्यक्ष आविनिश एवं एआईएसएफ के सुधीर कुमार ने कहा कि आज विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। यदि अति शीघ्र इन मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो हम बड़े आंदोलन की ओर बढ़ेंगे। प्रदर्शन के बाद पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर वार्ता किया। प्रतिनिधिमंडल में आइसा के जिला सचिव सुनील कुमार, एसएसआई के जिलाध्यक्ष अवनीश कुमार, एआईएसएफ के जिला अध्यक्ष सुधीर कुमार, छात्र राजद के प्रमंडल अध्यक्ष राजू यादव, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अभिनव आंसू थे। वार्ता में जिलाधिकारी ने सभी मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए अपने स्तर से देखने व सरकार से संबंधित मांगों को सरकार को लिखने की बात कहा। इस मौके पर प्रदर्शन को लोकेश कुमार, मनीष यादव, रोशन कुमार, अविनाश कुमार, सोनू यादव, प्रीति कुमारी, मनीषा कुमारी, स्तुति सिंह, द्रखशा जवी, गुंजन कुमार, प्रेम सागर, श्वेता कुमारी, रूबी कुमारी, अनुज कुमार, मनोज कुमार, दीपक यादव, मो. फरमान,मो. जावेद, राजन वर्मा, बृजेश यादव, प्रत्यूष यादव, गौरव शर्मा, रियाज शेख, अंकित यादव, सुरेंद्र प्रसाद सिंह इत्यादि ने भी संबोधित किया। प्रदर्शन को देखते हुए समाहरणालय पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किये गये थे।

कल्याणपुर थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान शराब की एक बड़ी खेप को पुलिस ने पकड़ने में सफलता प्राप्त किया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के जितवारिया मलंग स्थान के पास पुलिस चेकिंग के दौरान एक दस चक्का ट्रक पर लोड शराब को पुलिस ने बरामद किया। छापा मारी का नेतृत्व सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कर रहे थे। कुल 618 कार्टून, बरामद किया गया। जिसमें 5529.9 लीटर शराब था। वहीं इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों में दो अभियुक्त पंजाब के है। गुरविंद सिंह, विमल कुमार, शिवनाथ सहनी,अरविंद कुमार चकमैसी थाना क्षेत्र के निवासी है दो अभियुक्त। ट्रक नंबर पी बी 65 ए एच/9956 है। सदर एसडीओ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। छापामारी दल में कल्याणपुर थाना अध्यक्ष एवं डी आई यू की समस्तीपुर टीम शामिल थी।

समस्तीपुर जिले में कांग्रेस अल्संख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मशीर आलम ने कमिटी का विस्तार किया

संवाददाता

समस्तीपुर। ज़िला कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मो० मशीर आलम सिद्दीकी ने कमिटी का विस्तार किया जिसमें ज़िला उपाध्यक्ष के पद पे मोइन रजा को, वारिसनगर प्रखंड अध्यक्ष के पद पे मो० इरफान अंसारी को तथा खानपुर प्रखंड अध्यक्ष के पद पे असगर अंसारी को मनोनीत किया गया। मनोनीत होने पे बधाई देने वालो में ताजपुर प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मालिक, बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव ई० अबू तनवीर, ज़िला कांग्रेस कमिटी के महासचिव मुकेश कुमार चौधरी, ज़िला कांग्रेस कमिटी के सचिव

मो० मोहिउद्दीन, सुनील पासवान, अखिलश कुमार चौधरी, नौखेज आलम आदि लोग शामिल हैं।

बुलढाणा हलचल

बिजली का बिल माफ करके रीडिंग ठेकेदार का लाइसेंस रद्द करें: रविकांत तुपकर

बुलढाणा। राज्य भर में स्वाभिमानी शेतकरी संगठन ने विभिन्न महावितरण कार्यालयों के सामने लॉकडॉऊन अवधि के दौरान बिजली बिलों की माफी की मांग को लेकर आंदोलन किया। लेकिन सरकार ने इस मांग को नजरअंदाज कर दिया। महावितरण ने इस अवधि के दौरान हजारों रुपये के अवास्तविक बिजली बिलों की जबरन वसूली नहीं करनी चाहिए, और बुलडाना उप-मंडल में मीटर रीडिंग ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करके अनुबंध को रद्द करना चाहिए। अन्यथा, तीव्र आंदोलन झेडने का पत्रकार परिषद मे संगठन के युवा नेता रविकांत तुपकर ने चेतावनी दी। स्थानीय पत्रकार भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस मे पवन देशमुख, राणा चंदन, रफीक शेख उपस्थित थे।रवि तुपकर ने कहा के बिजली वितरण के माध्यम से कोरोना लॉकडाउन के दौरान ग्राहकों को दिए जाने वाले बिजली बिल अवेरेज दिये गए है और कई ग्राहकों को अजिंक्य महिला शिक्षित बेरोजगार सेवा सहकारी अकोला

ईस संस्था ने गलत मीटर रीडिंग की शिकायत मिली।ईस लिए कार्यकारी अभियंता बुलडाना ने 3 जुलाई को संबंधित ठेकेदार को एक नोटिस जारी किया है,जो निविदा और अनुबंध की शर्तों के अधीन है। 30 सितंबर तक निर्णय लेना कानूनी रूप से संभव नहीं है। गलत बिल के बारे में शिकायतें प्राप्त हुई है। उस बिल की राशि संबंधित संस्था, आपको एक लिखित पत्र, से वापस मिल जाएगी। एक लिखित पत्र दिया गया है। कई बिजली उपभोक्ताओं को अभी भी अपने बिजली के बिल नहीं मिले हैं। जिन लोगों को इस संस्था के माध्यम से बिजली बिल वितरित करने का काम दिया गया था, उन्हें घर पर बिजली के बिल नहीं मिले।इस तरह की शिकायतें बढ़ रही हैं। बिजली के बिलों में अधिभार और अन्य शुल्क शामिल हैं। यदि एक बिजली ग्राहक बिजली चोरी करता है, तो अन्य ग्राहकों के साथ परेशान क्यों?इस तरह के सवाल को ध्यान में रखते हुए, बिजली वितरण कंपनी को बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करनी चाहिए।यह भी मांग की है कि लॉकडाउन के दौरान बिजली के बिल माफ किए जाएं।

बुलढाणा तहेसील मे आयुष के तहत और 82 डॉक्टर स्वास्थ्य सेवाएं देगें, जिला कलेक्टर का आदेश

बुलढाणा। कोरोना द्वारा बनाई गई एक युद्ध जैसी स्थिति में, डॉक्टर सचमुच सेनानियों की तरह काम कर रहे हैं। चूंकि यहां के 2 कोविड केयर सेंटर, मुखबिर विद्यालय और आयुर्वेदिक कॉलेज में डॉक्टरों के लिए की कमी है, इसलिए 24 अगस्त को आयुष के तहत 82 नए निजी डॉक्टरों को शामिल करने के साथ स्वास्थ्य सेवा की सुविधा होगी जिले मे कोरोना पीड़ितों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। जिले में कुल 2689 कोरोना संक्रमित मरीज हैं। फिलहाल 752 मरीजों का इलाज चल रहा है। ऐसे में हाईटेक जिला महिला अस्पतालों के साथ-साथ मकदबीर विद्यालय, आयुर्वेदिक कॉलेज के केंद्रों में संदिग्धों का इलाज किया जा रहा है। सभी डॉक्टर दिन-रात काम कर रहे हैं, घर से दूर रहकर अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। ये डॉक्टर कोरोना के कुरुक्षेत्र में समाज के लिए एक स्वास्थ्यदूत बन गया है। डॉक्टरों की एक टीम वैकल्पिक रूप से ड्यूटी पर है। कोरोना रोगियों की सेवा करने वाली नर्सों, स्वास्थ्य कर्मचारीयों का भी इसमें बड़ा योगदान है। एक डॉक्टर को 8 घंटे काम करना पड़ता है। डॉक्टरों की कमी को देखते हुए 24अगस्त में जिला कलेक्टर के वीसी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, बुलडाना इन्सीडंट कमांडर और तहसीलदार कार्यालय ने 82 नए निजी आयुष डॉक्टरों की ड्यूटी सूची जारी की है और रोगी सेवा को और अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा। कलेक्टर के व्हिसी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, बुलडाणा तालुका में 82 निजी आयुष डॉक्टरों का अधिग्रहण किया गया है। ये डॉक्टर 2 कोविड केंद्र, मुखबिर विद्यालय और आयुर्वेदिक कॉलेज में अलग-अलग समय पर अपनी सेवाएं देंगे और उनकी ड्यूटी का कार्यक्रम तय किया गया है। संतोष शिंदे इंसीडेंट कमांडर तथा तहसीलदार इन्होंने ऐसी जानकारी दी है।

रामपुर हलचल

अतीकुर्रहमान सलमानी ने जिला अधिकारी को पत्र लिखकर किसनों को हो रही समस्याओं को लेकर उठाये सवाल

टांडा रामपुर। भ्रष्टाचार श्रमिक शोषण जन अधिकार हनन के मंडल प्रभारी अतीकुर्रहमान सलमानी ने जिला धिकारी को पत्र प्रेषित करते हुए कहां कि किसानों को अनेकों प्रकार की समस्याओं को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा है जबकि किसानों की स्थिति बद से बदतर हो गई है। खाद की किल्लत को देखते हुए छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। किसानों के साथअनेकों प्रकार की समस्याएं जुड़ी हुई हैं जिनका समय से समाधान तक नहीं हो पा रहा है किसानों को खाद उपलब्ध कराये जाने के झूठे आश्वासन देकर उनके समय को बर्बाद किया जा रहा है। खेती को भारी क्षति पहुंचने का खतरा उत्पन्न होने का संकट मणडराता नजर आ रहा है। किसान इस समय अपनी बेहाल स्थिति को देखते हुए अपने आप में अनेकों प्रकार की कमजोरियां महसूस करने पर बाधय है।

भीषण गर्मी एवं वर्षा के चलते नगर के अंदर मच्छरों की भरमार

संवाददाता

टांडा रामपुर। भीषण गर्मी एवं वर्षा के चलते नगर के अन्दर मच्छरों आदि की जनसंख्या में लगातार बढ़ोतरी होती चली जा रही है जिससे नगर के अन्दर बुखार टाइफाइड व अनेकों प्रकार की बीमारियां होने का मामला पनपता जा रहा है। मलेरिया आदि के मच्छरों की भरमार के चलते करोना वायरस के जैसी महामारी को देखते हुए नगर के अन्दर कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव का किया जाना बेहद आवश्यक है मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए समय रहते अनेकों प्रकार की बीमारियां एवं

मच्छरों के पनपने पर नियंत्रण किया जा सकता है एवं गंभीर प्रकार की होने वाली बीमारियों से भी बचा जा सकता है मच्छरों आदि की गंभीर समस्या को देखते हुए व्यापार मंडल के नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम कसगर, मोहम्मद इकबाल कसगर, विनोद कुमार वर्मा, अब्दुल समद भाजपा अ०मोर्चा के अब्दुल सलाम, मोहम्मद शरीफ अंसारी, ने जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित कर शीघ्र नगर के अंदर कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किये जाने की मांग की गई है जिसके चलते होने वाली गंभीर बीमारियों से बचा जा सके साथ ही नगर वासी राहत की सांस ले सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन आयुर्वेदिक औषधियों का इस्तेमाल दूर करेगा कई बीमारियां

बदलते मौसम और लाइफस्टाइल के कारण लोगों में बीमारियां भी बढ़ती जा रहें है। एक शोध के अनुसार आज के समय में हर 10 में 8वां व्यक्ति डायबिटीज, कैंसर, अस्थमा और गठिया जैसी खतरनाक बीमारियों से पीड़ित है। कुछ लोग तो इन बीमारियों को दूर करने के लिए कई तरह की दवाइयों का सेवन करते है लेकिन ज्यादा दवाइयों का सेवन लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। दवाइयों की बजाए आप ऐसी बीमारियों को कुछ घरेलू नुस्खों से दूर करते है। आपके रसोईघर में आसानी से मिलने वाली ये आयुर्वेदिक औषधियों इन बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर तो करती है, साथ ही यह आपको कई बीमारियों से बचाती भी हैं। तो चलिए जानते है ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां, जो बिना किसी साइड इफेक्ट के आपको स्वस्थ रखेंगी और सेहत की समस्याओं को दूर भी करेगी। एसिडिटी से परेशान है तो अपनाएं ये आयुर्वेदिक उपचार

1. लेमन ग्रास

इसे चाय में डालकर पीने से शरीर, जोड़ों, सिर और मांसपेशियों के दर्द से निजात मिलती है। इसके अलावा इसकी 1 कप चाय थकावट और स्ट्रेस को भी दूर कर देती है।

2. हल्दी

एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हल्दी जोड़ों के दर्द, आर्थराइटिस, पाचन विकार, दिल और लिवर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाती है। इसके अलावा इसका सेवन शरीर में कैंसर सेल्स को मारने में मददगार होता है।

3. सफेद कमल

हैजा, पेट की बीमारियों, कब्ज और आंखों के इंफेक्शन का इलाज करने के लिए सफेद कमल सबसे अच्छा है। इसके फूल, बीज और जड़ो को पीसकर खाने से यह सभी प्रॉब्लम दूर हो जाती है। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर है धतूरे का पौधा, कई बीमारियां होंगी दूर

4. पुदीना

पुदीने की पत्तियों को कच्चा खाने से खून साफ होता है। एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण इससे गले की इंफेक्शन, उल्लटियां, सिरदर्द और कैविटी प्रॉब्लम से छुटकारा मिलता है।

5. मेहंदी की पत्तियां

मेहंदी की पत्तियां शरीर को डीटॉक्स करके कब्ज और यूरिन प्रॉब्लम को दूर करती है। इसके अलावा इसका सेवन छाले, अल्सर, चोट, बुखार, हैमरेज और मासिक दर्द से छुटकारा दिलाता है।

6. गुलाब

रोजाना गुलाब की पत्तियों का सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है। यह शरीर में ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाकर ब्लड प्रेशर को कम करता है। जिससे स्ट्रेस, मासिक पीड़ा, अपच और अनिद्रा की समस्याएं नहीं होती।

7. सब्जा बीज

इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होने के कारण यह इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है। फालूदा में कूलिंग एजेंट के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सब्जा बीजों का सेवन शरीर में किसी भी तरह की सूजन को दूर करता है।

8. इसबगोल

कब्ज, जोड़ों और आंतों में दर्द होने पर इसबगोल का सेवन करें। इससे आपको इन समस्याओं से तुरंत आराम मिल जाएगा

डायबिटीज को जड़ से खत्म करने के लिए करें हरे प्याज का सेवन

बदलते लाइफस्टाइल के साथ आज हर 10 में से 8 व्यक्ति डायबिटीज का शिकार है। एक शोध के अनुसार आज के समय में 4 करोड़ से अधिक लोग इस समस्या से पीड़ित हैं। गलत खान-पान और खून में शुगर की मात्रा अधिक होने पर यह बीमारी हो जाती है। लोग इसे कंट्रोल में रखने के लिए अपनी खान-पान की आदतों में सुधार से लेकर कई दवाइयों का सेवन करते है लेकिन फिर भी यह जड़ से खत्म नहीं होती। आज हम आपको डायबिटीज की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए एक असरदार तरीका बताने जा रहें हैं। हरे प्याज की मदद से आप डायबिटीज के साथ कई बीमारियों से छुटकारा पा सकते है। इससे आपकी डायबिटीज की बीमारी 7 दिन में ही खत्म हो जाएगी।

डायबिटीज के कारण

अधिक जंक फूड का सेवन
मोटापा
तनाव या डिप्रेशन
धूम्रपान या तंबाकू का सेवन
अधिक चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक पीना
अधिक मात्रा में चीनी का सेवन
जेनेटिक प्रॉब्लम

डायबिटीज के लक्षण

बार-बार पेशाब का आना
आंखों की रोशनी कम होना
ज्यादा प्यास लगना
कमजोरी महसूस होना
चोट या जख्म का देरी से भरना
हाथों, पैरों और गुप्तांगों में खुजली
भूख ज्यादा लगना
अचानक वजन कम होना
चक्कर आना
हृदय गति अनियमित होना
किडनी खराब होना

शुगर का घरेलू उपचार

इसके लिए आपको कुछ हरे प्याज को धोकर पानी में भिगो दें। इसे साफ पानी में 24 घंटे तक भीगा रहने दें। इसके बाद इस पानी को छानकर पूरा दिन इसका सेवन करें। लगातार 7 दिनों तक इस पानी को पीने से आपकी डायबिटीज की समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी। इसका सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर करवा लीजिए।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है पीपल, जानिए इसके चमत्कारी फायदे!

आजकल की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हर 10 में से 8 व्यक्ति किसी न किसी बीमारी के शिकार है। कुछ लोग तो छोटी-छोटी समस्याओं के दूर करने के लिए भी दवाइयों का सेवन ही करते है लेकिन ज्यादा दवाइयों का सेवन भी लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी बजाए आप छोटी से लेकर बड़ी समस्याओं को कुछ घरेलू तरीकों द्वारा दूर कर सकते है। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर पीपल के पेड़ के पत्ते सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है। इसका सेवन गैस, कब्ज, पेट दर्द, सांस की तकलीफ और सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा भी इसके पत्तों या छाल से अस्थमा, दिल के रोग और डायबिटीज जैसे बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर किया जा सकता है। आइए जानते है सेहत की कई समस्याओं को दूर करने वाले पीपल के फायदे।

1. सांस संबंधी समस्याएं

इसकी छाल का अंदरूनी हिस्सा निकालकर सुखा लें। इसके बाद इसे पीस कर चूर्ण बनाने के बाद दूध में उबालकर पीएं। इसका सेवन सांस संबंधी समस्याएं और अस्थमा की समस्या को दूर करता है।

2. विष का प्रभाव

किसी भी जहरीले जीव-जन्तु के काटने पर पीपल के पत्तों का रस निकाल कर इस जगहें पर डालें। इसके अलावा उस व्यक्ति को थोड़ी-थोड़ी देर बार इसका रस पीलाएं। इससे विष का असर कम हो जाएगा।

3. पेट की प्रॉब्लम

पेट में गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट दर्द, अल्सर और इंफेक्शन की समस्या को दूर करने के लिए इसके ताजे पत्तों का रस रोजाना पीएं। सुबह-शाम इसका सेवन आपकी पेट की हर समस्या को दूर कर देगा।

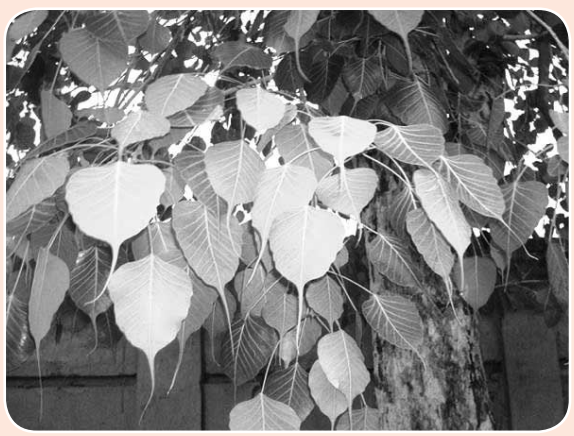

4. त्वचा रोग

त्वचा पर होने वाली समस्याएं जैसी दाद-खाज, खुजली, रैशेज और स्किन इंफेक्शन को दूर करने के लिए पीपल के पत्तों का काढ़ा बना कर पी लें। इसके अलावा फोड़े-फुंसी होने पर इसकी छाल को पीस कर घाव वाली जगहें पर लगाने से वो ठीक हो जाता है।

5. डायबिटीज

रोजाना पीपल की छाल का चूर्ण बनाकर दूध के साथ पीने से डायबिटीज का खतरा कम होता है। इसके अलावा इसके पत्तों के रस का रोजाना सेवन डायबिटीज को खत्म करता है।

6. दिल के रोग

पीपल के पत्तों सा इसकी छाल का चूर्ण बनाकर रोजाना खाने से यह शरीर को दिल के रोगों से भी दूर रखता है। इसके औषधिएं गुण दिल को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं।

7. सर्दी-जुकाम

एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर पीपल के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसमें मिश्री मिला लें। इसका सेवन करने से सर्दी, जुकाम, खांसी और कफ की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा इसका सेवन वायरल इंफेक्शन को भी खत्म करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ऋचा चड्ढा ने बताया आखिर किस कारण अली से शादी का डेट आगे बढ़ाना पड़ा

ऋचा चड्ढा और अली फजल जो कि इस साल अप्रैल में ही शादी रचाने वाले थे और सारी तैयारियां भी हो चुकी थीं। कोरोना की वजह से शादी टल गई और फिर खबर आई कि दोनों इस साल के अंत में शादी करेंगे। हेल्थ और सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए पहले उन्होंने सोचा था कि यदि सब ठीक रहा तो वे इस साल के अंत में शादी रचा लेंगे। उन्होंने बताया कि कोरोना के अलावा वो दो कौन सी बड़ी वजहें रहीं जिसकी वजह से उन्होंने इस शादी को अगले साल के लिए खिसका दिया। शादी की प्लानिंग ने एक दुखद मोड़ तब ले लिया जब 17 जून को लखनऊ में अली की मां गुजर गईं, वह स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं से जूझ रही थीं। इसके अलावा उनकी इंटरनैशनल फिल्म 'डेथ ऑफ द नील' इसी साल 23 अक्टूबर को रिलीज होनी है। सबसे बड़ी बात की महामारी कोरोना को लेकर खतरा कम नहीं हुआ है। इन सभी वजहों के सामने देखते हुए आखिरकार ऋचा और अली ने मिलकर फैसला लिया कि अब वे अगले साल ही शादी करेंगे। ऋचा ने कहा, हां, इस साल शादी करना काफी मुश्किल है क्योंकि महामारी खत्म होने से अभी काफी दूर है। हम अपने सेलिब्रेशन की वजह से किसी को खतरे में नहीं डाल सकते। वैक्सीन का इंतजार करने में ही समझदारी है। इससे पहले अली ने कहा था, यकीनन यह निराशाजनक है, क्योंकि हम सब बिल्कुल तैयार थे और तैयारियां जोर-शोर से चल रही थीं, लेकिन ठीक है। हमारा आइडिया अपने इस स्पेशल डे को अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ सेलिब्रेट करना है। जब चीजें सही हो जाएंगी और सही वक्त होगा, उम्मीद करते हैं कि हम लौटेंगे और एक नई दुनिया हमारे साथ सेलिब्रेट करेगी।

सामने आया जॉन अब्राहम और अदिति राव हैदरी की अगली फिल्म का फर्स्ट लुक

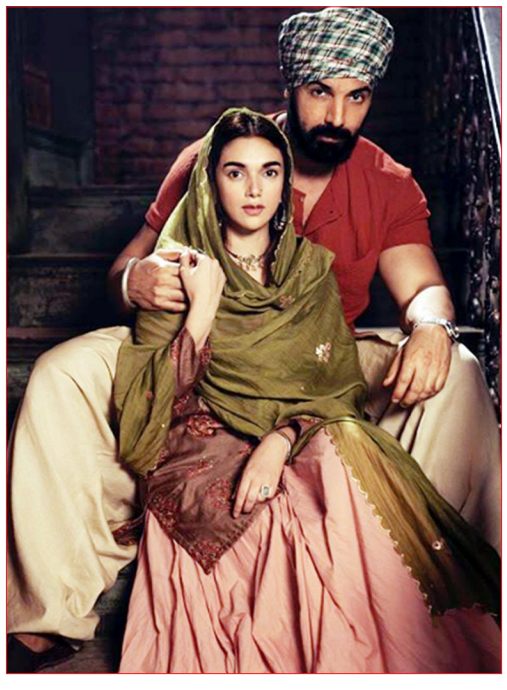

अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह के लीड रोल वाली क्रॉस-बॉर्डर लव स्टोरी फिल्म की शूटिंग 24 अगस्त से शुरू हो गई है। अब इस फिल्म से जॉन अब्राहम और अदिति राव हैदरी का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है। फिल्म में कंवलजीत सिंह और नीना गुप्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में नीना गुप्ता ने अर्जुन की दादी की भूमिका निभाई है और उनकी जवानी का किरदार अदिति राव हैदरी निभा रही हैं। यह फिल्म 1947 में भारत की आजादी के समय में दिखाई जाएगी। इस फिल्म से जॉन अब्राहम और अदिति राव हैदरी के फर्स्ट लुक को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म को जॉन अब्राहम, निखिल आडवाणी और भूषण कुमार प्रडुयूस कर रहे हैं। फिल्म के बारे में जॉन ने कहा, जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे इसका एक किरदार बहुत अच्छा लगा। बाद में डायरेक्टर काश्वी ने मुझे ही किरदार निभाने के लिए कहा तो मैं मना नहीं कर सका।

ओटीटी पर रिलीज होगी अनन्या पांडे और ईशान खट्टर की 'खाली पीली'

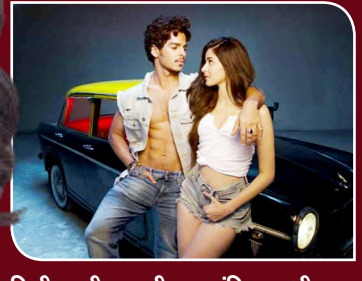

हाल में ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की आने वाली फिल्म 'खाली पीली' का टीजर रिलीज किया गया था। इस टीजर को सोशल मीडिया पर मिले-जुले रिव्यूज मिले हैं। अब इस फिल्म के रिलीज का इंतजार किया जा रहा है कि क्योंकि फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। अब खबर आ रही है कि फिल्म के मेकर्स इस फिल्म को थिएटर्स में नहीं बल्कि ऑनलाइन ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट के बारे में भी सोच लिया है। पता चला है कि यह फिल्म गांधी जयंती यानी कि 2 अक्टूबर को रिलीज की जा सकती है। जी स्टूडियो के प्रॉडक्शन में बनी यह फिल्म उनके खुद के प्लैटफॉर्म जी5 पर रिलीज की जाएगी। हालांकि यह भी पता चला है कि अभी इस डेट पर फिल्म को रिलीज करने के लिए काफी काम किया जाना बाकी है। बताया गया है कि फिल्म की अभी 1-2 दिन की शूटिंग बाकी है। माना जा रहा है कि सितंबर के पहले हफ्ते में अनन्या और ईशान यह शूटिंग पूरी कर लेंगे और फिर फिल्म का पोस्ट प्रॉडक्शन का काम शुरू कर दिया जाएगा।